स्टीम और पावर पूरी तादाद में मिल जायेगी तो तकरीबन सौ टन पर डे मतलब ३०,००० टन की जो उस की कैपेसिटी है, उस तक हम पहुंच जायेंगे । क्वालिटी के लिये भी कोशिश की जा रही है । एक छोटी सी टैक्नीकल कमेटी भी हम एप्वाइंट कर रहे है ताकि वह जांच पडताल कर सके जिस से जल्दी से जल्दी क्वालिटी भी अच्छी हो जाये ।

श्री भक्त दर्शन अभी माननीय मन्त्री महोदय ने बताया है कि दो पार्टियो ने केन्द्रीय सरकार से कहा है । मै जानना चाहता हूं कि वे दोनो पार्टिया कौन कौन सी है और किन-किन स्थानों पर वे इस कारखाने को लगाना चाहती है ?

श्री मनुभाई शाह : अभी कुछ तै नही हुआ है । जब तक कोई बात पक्के तौर पर तै न हो जाय तब तक किसी का नाम बतलाना अच्छा नही है । जब यह चीज तै हो जायगी तो फौरन ही यह चीज हाउस के तथा देश के सामने आ जायेगी । न्यूजप्रिंट फैक्ट्री का लगाना कोई आसान नही है । और लगाने की मंशा करने से ही यह काम होगा नही । पूरे रा-मैटीरियल को देखना होता है, ट्रांस्पोर्ट को देखना होता है और ठीक ढग से ढाचा बनाना होता है तब जा कर न्यूजप्रिंट की फैक्ट्री लग सकती है ।

ग्वालियर में रेडियो स्टेशन

*१५८४. **श्री सूर्य प्रसाद** : क्या सूचना और प्रसारण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने प्रथम पचवर्षीय योजना के अन्तर्गत ग्वालियर (मध्य प्रदेश) मे एक रेडियो स्टेशन स्थापित करने का विचार किया था ; और

(ख) यदि हा, तो अभी तक इस रेडियो स्टेशन को स्थापित न करने के क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री के सभा-सचिव (श्री आ० चं० जोशी) : (क) और (ख) पहली पंचवर्षीय योजना में जो प्रस्ताव थे उन के अनुसार यह विचार था कि ग्वालियर में १ किलोवाट मीडियम वेव का पाइलेट रेडियो स्टेशन स्थापित किया जाये । बाद में जो अनुभव हुए उन के आधार पर और अन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस योजना को बदलना पड़ा । राज्यो के पुनर्गठन होने पर जब नया मध्यप्रदेश बना तब उस में रेडियो केन्द्रो की स्थापना की योजना को नये सिरे से बनाना पड़ा और सारे मध्यप्रदेश की जरूरत को पूरा करने के लिये भोपाल में एक १० किलोवाट शार्ट वेव ट्रान्समीटर लगाया गया ।

श्री सूर्य प्रसाद : क्या माननीय मंत्री महोदय को मालूम है कि उत्तरी भारत मे ग्वालियर संगीत कला का केन्द्र है और संगीत सम्राट् तानसेन का जन्म स्थान भी है और तब क्या वहा पर रेडियो स्टेशन स्थापित करना उचित नही था ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर) : जो हा, यह पता है लेकिन केवल कला का केन्द्र होने के नाते ही किसी जगह पर रेडियो स्टेशन नही खोला जा सकता है और उसके साथ ही साथ और भी बहुत सी बातों को ध्यान मे रखना होता है ।

श्री सूर्य प्रसाद : क्या यह बात सही है कि भोपाल के राजधानी होने की वजह से वहा पर रेडियो स्टेशन खोला गया है और यह जो रकम थी वह ग्वालियर से ट्रांसफर करके भोपाल मे खर्च कर दी गई ?

डा० केसकर : ग्वालियर के नाम पर कोई रकम नही रखी गई थी बल्कि मध्य प्रदेश मे किसी योग्य स्थान मे एक शक्तिशाली रेडियो स्टेशन खोलने की बात थी । भोपाल राजधानी है यह बात भी अवश्य ध्यान मे रखने लायक थी । लेकिन दूसरी बात यह भी है कि भोपाल ग्वालियर से ज्यादा मध्य-प्रदेश के केन्द्र में है ।